Dainik Bhaskar (Indore), 17th November 2019, City Bhaskar, Page-III

आईआईटी इंदौर दीक्षांत समारोह

सीनियर अमेरिकन साइंटिस्ट प्रोफेसर जेफरी कारगेल ने कहा हम सब धरती को बहुत नुकसान पहुंचा चुके, अब किसी भी जॉब से पहले इसके लिए कुछ करने की सोचें

नो थैंक्स बोल एक लड़की ने काठमांडू को पॉलिथीन फ्री कर दिया, धरती के हर शख़्स को ऐसे प्रयास करना होंगे

प्रेसीडेंशियल अवॉर्ड मिलने की खुशी यूं मनाई राहुल के परिवार ने

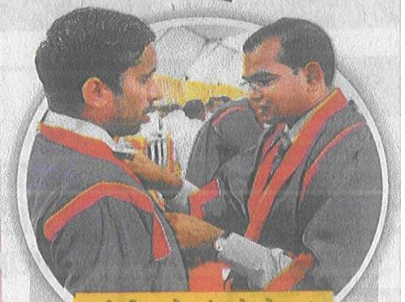

टाई ठीक से बांध दे दोस्त! अगली बारी मेरी है...

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

आईआईटी से डिग्री ले रहे स्टूडेंट्स से अमेरिका के द प्लेनेटरी साइंस इंस्टिट्यूट के सीनियर साइंटिस्ट जेफरी एस. कारगेल जब रूबरू हुए तो उन्होंने न तो स्टूडेंट्स से उनके कॅरियर की बात की, न तकनीक या विज्ञान के बारे में कुछ बोले। उन्होंने स्टूडेंट्स से धरती को बचाने के लिए कुछ करने की विनती की। बोले - 'आईआईटी इंदौर से पढ़ाई पूरी करने के बाद आप अपने लिए जॉब तलाशेंगे। मैं इसे रियल जॉब नहीं मानता। किसी ऑफिस में आप सिर्फ इसलिए काम करते हैं ताकि समाज में अच्छी तरह जी सकें और आज रियल जॉब है दुनिया को बचाना। ये जॉब इस धरती पर सांस ले रहे हर शख्स को करना होगा। आने वाली पीढ़ियों के लिए हमें दुनिया को बचाना है। इतने सालों के विकास में हमने धरती को बहुत नुकसान पहुंचाया है। करोड़ों प्रजाति के जीव इस धरती पर रहते हैं जो हमारे कारण खतरे में हैं। कई तो विलुप्त भी हो चुके हैं। एक अकेले व्यक्ति के प्रयासों से स्थिति नहीं बदलेगी यह सोचना सही नहीं। कोशिश शिद्दत से की जाए तो अकेला व्यक्ति भी बदलाव ला सकता है। नेपाल में काठमांडू वैली को पूरी तरह पॉलिथीन फ्री करने का श्रेय एक लड़की शिलशिला आचार्य को जाता है। कुछ साल पहले शुरू किए 'नो थैंक्स, आई कैरी माय ओन बैग' कैम्पेन के जरिए उन्होंने काठमांडू वैली से प्लास्टिक बैग खत्म कर दिए। ऐसे प्रयासों को पूरी दुनिया में लागू करना होगा।'

ये आईआईटी इंदौर का सातवां दीक्षांत समारोह था जो शनिवार को हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में आईआईटी बोर्ड के चेयरमैन प्रोफेसर दीपक बी. फाटक, संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप माथुर सहित फैकल्टी मेम्बर्स मौजूद थे। डॉ. कारगेल ने गोल्ड और सिल्वर मेडल हासिल करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। निदेशक प्रोफेसर माथुर ने बी.टेक, एमएससी, एमटेक और पीएचडी के छात्रों को डिग्री प्रदान की।

पूरे हिंदुस्तान ने चंद्रयान का सफर देखा, चीन ऐसे मिशन गुप्त रखता है

चंद्रयान मिशन के बारे में उन्होंने कहा- मैं इसे सफल मानता हूं। वो सिर्फ सफल लैंडिंग नहीं कर पाया। ऑर्बिटर तो सौ फीसदी सफल था। चंद्रयान की लैंडिंग को पूरी दुनिया लाइव देख रही थी। ये बहुत बड़ी हिम्मत का काम है क्योंकि आपको पहले नहीं पता था मिशन सफल होगा या असफल। पूरे देश ने इसकी यात्रा देखी। चीन ने अपने ऐसे ही एक मिशन को गुप्त रखा था।

इन्हें मिले मेडल

कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के राहुल चौधरी को प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल मिला। एमएससी केमिस्ट्री की वनीता रेड्डी को बेस्ट वुमन अवॉर्ड, शाह विनीत हारेश को बेस्ट ऑल राउंड स्टूडेंट अवॉर्ड दिए गए। बीटेक के अलग-अलग विषयों के छात्रों को सिल्वर मेडल दिए गए। कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की अपूर्वा जोशी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के भोले आशीष किरन, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बड़ाबाग्नी हितेश, एमएससी केमिस्ट्री की वनीता रेड्डी और एमटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के मयंक शर्मा को ये मेडल्स मिले।